मूल्य 1 रु.

वर्षः 14 - अंक : 28, मुंबई, शनिवार, 16 मार्च, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

रमजान मुबारक हिजरी 1445 साल 2024

मुंबई और आसपास के इलाकों में टाईम

रोजा पांचवां (05) 16 मार्च 2024 शनिवार

खत्मे शहेरी : 5:23 A.M

रोजे की नियतः नवयतो अन असुमा गदल लिल्लाही तआला मिन फर्जी रमजान।

वक्ते इफ्तार : 6:51 P.M

इफ्तार की दुआः अल्लाहुम्मा इन्नी लका सुमतो वबेका आमनतो वइलयका तवकल्लतो व आला रिजकेका अफ्तरतो फतकब्बल मिन्नी।

रमजान का (1 से 10 रोजा) पहेला असरा रहेमत का होता है।

‘महायुति’ में 6 सीटों पर फंसा पेंच

राज ठाकरे की भी हो सकती है एंट्री! मंथन जारी

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मैं अभी इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह सकता, बहुत सारी चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन जब कोई फैसला होगा तो बताऊंगा। महायुति में सीट बंटवारे को लेकर कोई देरी नहीं है, हम जल्द ही महायुति के सभी उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान शनिवार दोपहर 3 बजे होगा। इस बीच महाराष्ट्र से बड़ी खबर आ रही है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का सीट शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीजेपी-शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) की राज्य की 48 में से 42 सीटों पर सहमति बन गई है। लेकिन छह लोकसभा सीटों पर पेंच फंसा हुआ है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

1 करोड़ के टर्म इंश्योरेंस के लिए महिला ने की पति की हत्या

प्रेमी के साथ धराई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। पत्नी ने अपने पति के 1 करोड़ रुपये के टर्म इंश्योरेंस के लालच में उसकी हत्या कर दी। महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने पीड़ित के सिर पर हथौड़े से वार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पिंपरी-चिंचवड शहर में एक महिला ने सेना में कार्यरत प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। घटना आलंदी थाना क्षेत्र के चिंबली में हुई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

‘महाराष्ट्र में नहीं बिकेगा पान मसाला’

रजनीगंधा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया बड़ा झटका

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रजनीगंधा पान मसाला को बड़ा झटका देते हुए पान मसाला पर से बैन हटाने से इनकार कर दिया है। महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पान मसाला के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। हाईकोर्ट ने एफडीए के इस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एफडीए के आदेश को चुनौती

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, प्रत्येक राज्य पर अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल करने की जिम्मेदारी है, अगर उत्तर प्रदेश ने इस पर प्रतिबंध नहीं लगाया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि महाराष्ट्र इसकी अनुमति देगा। रजनीगंधा पान मसाला के निमार्ता धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड द्वारा यह याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई थी। याचिका में महाराष्ट्र में पान मसाला और गुटका उत्पादों की बिक्री और परिवहन पर प्रतिबंध लगाने वाले एफडीए के जुलाई 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी।

महाराष्ट्र में विपक्ष का सीट बंटवारा अटका

प्रकाश अंबेडकर बोले- एमवीए की बैठक में नहीं जाऊंगा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति गठबंधन की तरह विपक्षी दलों के गठबंधन एमवीए में भी सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है। दोनों खेमों में लगातार बैठकें हो रहीं है। इस बीच, खबर आ रही है कि महाविकास अघाडी (एमवीए) की सीट बंटवारे को लेकर आज शाम अहम बैठक होने वाली है। हालांकि वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने दावा किया है कि उन्हें एमवीए की बैठक में शामिल होने के लिए नहीं बुलाया गया है। प्रकाश आंबेडकर ने कहा है कि उन्हें अभी तक महाविकास अघाडी की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है, इसलिए वह इसमें शामिल नहीं होंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हाल ही में वंचित बहुजन अघाड़ी ने महाविकास अघाड़ी के नेताओं को पत्र लिखकर बताया था कि उनकी 27 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी हैं

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चुनावी बॉन्ड/भारत का चरित्र

भारत कैसा और कितना अनैतिक है, इसका नया सबूत है इलेक्टोरल बॉन्ड्स! सोचें, उस हिंदू राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के उन हिंदू हरकारों पर जिन्होंने कोई सौ साल हिंदुओं को चरित्रवान, नैतिक बनाने में हिंदू स्वंयसेवकों की जिंदगियां कुर्बान करवाईं। और एक खांटी प्रचारक का दिल्ली में शासन बना तो नतीजा क्या? जुआरियों, सटोरियों, दागियों व अपराधियों से चंदा ले कर राजनीति करने, चुनाव लड़ने का सत्य। पता नहीं आरएसएस के प्रतिनिधियों को अभी नागपुर की बैठक में यह भान हुआ या नहीं कि जो संगठन, जो परिवार गुरू दक्षिणा से चलता था, उसकी पार्टी अब देश के नंबर एक लॉटरीबाजों, नंबर एक गैम्बलरों, उन दवा कंपनियों, शराब कंपनियों, उन दागियों, अपराधियों से रंगदारी के अंदाज में चंदा लेती है, जिनका पैसा छूना भी रामराज्य में हराम होना चाहिए। हां, इलेक्टोरल बॉन्ड्स और पार्टियों की कोडिंग को अभी सरकार ने छुपा रखा है। इसलिए संघ-भाजपा के बचाव में कोई कह सकता है कि ह्यलॉटरी किंगह्ल सैंटियागो मार्टिन, सट्टा खिलाने वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग, और कोरोना काल में रेमडिसीवीर इंजेक्शन की बेइंतहां रेट और कालाबाजारी वाली हेटेलो लैब्स सहित दवाइयों के मनमाने दाम करवाने वाली 14 मेडिकल कंपनियों के 534 करोड रुपए के बांड्स मोदी-शाह की भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को गए हैं तो यह फालतू दलील है। मोदी-शाह की नजर के नीचे लॉटरी, जुआरी, कालाबाजारी करने वाले व्यापारी व अपराधी कतई कांग्रेस या किसी भी विरोधी पार्टी को पैसा देने की जुर्रत नहीं कर सकता है। उसने सौ रूपए दिए होंगे तो बाकी पार्टियों को चव्वनी, अठन्नी ही दी होगी। तभी सोचें, मोदी राज के 10 वर्षों में काले धंधे के काले कारोबारियों को इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए काला पैसा देने का क्या शानदार तरीका और अवसर मिला। एक नंबर में भाजपा में पैसा जमा कराओ और लॉटरी, जुए, शराब, ब्लैकमार्केटिंग के लिए आजादी पाओ! क्या मैं गलत हूं? कहते हैं भारत के नौजवानों को ऑनलाइन गेमिंग का नशा कराने, उससे बेइंतहां कमाई वाली कंपनी फ्यूचर गेमिंग ने 12 अप्रैल 2019 से 11 जनवरी 2024 के बीच सर्वाधिक 13.6 अरब रुपए से अधिक के बॉन्ड खरीदे। इस कंपनी के खिलाफ ईडी ने 2019 की शुरूआत में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। उस साल जुलाई तक उसने कंपनी से संबंधित 250 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की। दो अप्रैल, 2022 को ईडी ने मामले में 409.92 करोड़ रुपए की चल संपत्ति कुर्क की थी। और इसके पांच दिन बाद सात अप्रैल को फ्यूचर गेमिंग ने 100 करोड़ रुपए के चुनावी बॉन्ड खरीदे। फिर तो खरीदने का सिलसिला शुरू। और भाजपा के खजाने में जहां पैसा जमा होता हुआ वही देश में गेमिंग का धंधा भी फरार्टा मारते हुए। सोचें, इस कंपनी ने 13.6 अरब रुपए के बॉन्ड खरीद कर दिए तो कमाई कैसी होती हुई होगी? ऐसे ही लॉटरी का मामला है। इसकी मार्टिन कंपनी पुरानी पापी है। कांग्रेस से पोषित रही है। दक्षिण की पार्टियों को पैसा देकर धंधा करती रही है। और मोदी सरकार से पहले ईडी की जांच थी। आपराधिक साजिश के आरोप थे। मगर मोदी राज में इसे बंद कराने के बजाय धड़ल्ले से कंपनी ने धंधा बढ़ाया।

रमजान विशेष प्रस्तुति श्रृंखला 4

इंसानियत के लिए रब का पैगाम है कुरान मजीद

मुंबई हलचल/संवाददाता

रमजान वह मुबारक महीना है जिसमें अल्लाह ने अपने फरिश्ते जिब्रील अलैहिस्सलाम के अभिभाषण के जरिए अपनी आखिरी किताब कुरान मजीद का अवतरण अपने आखिरी नबी रसूल पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम पर प्रारंभ किया। कुरान मजीद का शीर्षक मानव है और कुरान मजीद का विषय मानव का मार्गदर्शन है। अपनी किताब कुरान मजीद में अल्लाह का फरमान है कि रमजान वह महीना है जिसमें कुरान अवतरित किया गया जो इंसानों के लिए सर्वथा मार्गदर्शन है और ऐसी स्पष्ट शिक्षाओं पर आधारित है जो सीधा मार्ग दिखाने वाली सत्य और असत्य का अंतर खोल कर रख देने वाली है (कुरान मजीद 2:185)।

और इसी कुरान के बारे में अल्लाह ने यह भी बता दिया कि हे नबी (हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) कहो कि यह अल्लाह का अनुग्रह और उसकी दया है कि यह चीज उसने भेजी इस पर तो लोगों को खुशी मनानी चाहिए यह उन सब चीजों से उत्तम है जिन्हें लोग समेट रहे।(कुरान 10:58)। रमजान उल मुबारक कुरान के अवतरण का वार्षिक उत्सव भी है जिससे प्रतिवर्ष कुरान से हमारे व्यावहारिक संबंधों का नवजागरण होता रहता है और ईश्वरीय मार्गदर्शन से हमारा संबंध टूटने नहीं पाता है। ईद उल फितर का त्यौहार भी वास्तव में कुरान के अवतरण की खुशी मनाने का ही त्यौहार है जो रमजान के समाप्त होने के अगले दिन मनाया जाता है। रमजान इस भावना को भी नया जीवन देता है कि कुरान मात्रा मुसलमान की धार्मिक पुस्तक नहीं है बल्कि है तो समस्त मानव जाति के लिए है वह पूरे संसार को प्रकाशमान करने आई है और यह मुसलमान का कर्तव्य है कि वह इस ईश्वरीय संदेश को विश्व के कोने-कोने तक लोगों को उनकी भाषा में पहुंचाएं जो उनकी अमानत है उनकी धरोहर है अन्यथा अल्लाह के यहां उन्हें कठोर दंड भुकतना पड़ेगा इसलिए कुरान मजीद के अरबी पाठ के साथ ही साथ उसे अपनी भाषा के अनुवाद व व्याख्या के साथ पढ़े और समझे और उस पर अमल करें और उसके पैगाम को सारे इंसानों तक पहुंचाएं तभी हम कुरान का रमजान का पैगंबर इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की मोहब्बत सही हक अदा कर सकेंगे। सभी भाइयों बहनों को रमजान उल मुबारक की बहुत-बहुत मुबारकबाद और मैं सभी भाइयों बहनों को बताते चलूं कि आज में जो कुछ भी हूं जितना मुझे दीन ईमान इस्लाम का इल्म है यह सब मेरी मोहसिन मेहरबान मेरी जन्नत मेरी रहमत मेरी प्यारी प्यारी अम्मीजान हजरत जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा की परवरिश का नतीजा है इसलिए आप सभी भाइयों बहनों से मेरी दिली गुजारिश है इल्तिजा है आप सभी रमजान के इस मुकद्दस और रहमत वाले महीने पर मेरी अम्मी जान हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और मेरे अब्बू जनाब बाबू खान साहब के लिए दुआ फरमाए की अल्लाह अपनी रहमतों से उनकी बख्शीश और मगफिरत फरमाए और अपनी रहमतों से और अपने महबूब पैगंबर रहमतुल्लिल आलमीन हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वसीले से उनकी कबरें अतहर को जन्नत का बाग बनाकर अपने नूर से रोशन और मुनव्वर फरमाए और आलमे बरजख में इन्हें अपना नूर अपनी रहमत अता फरमाए और कब्र के अजाब से जहन्नम की आग से मैदाने महशर और पुलसिरात की सख्तियों और तकलीफों से हिफाजत फरमाकर इन्हें अपना अमन और सलामती अता फरमाए अमीन या रब्बुल आलमीन। आप सभी भाइयों बहनों को रमजान उल मुबारक की बहुत बहुत मुबारकबाद और अल्लाह आप सभी को इस माहे मुबारक की रहमतें बरकतें अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन। आपकी दुआओं का तलबगार आपका भाई साजिद खान पत्रकार।

-साजिद खान बाजार मोहल्ला धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

बिजनौर पुलिस ने एक सपेरे को किया कैद, लगे 26 साल

बिजनौर। नजीबाबाद तहसील के ग्रामीण क्षेत्र का निवासी 26 साल तक पुलिस को बीन पर ह्यनचाताह्ल रहा सपेरा चोरी के मामले में था भगोड़ा। अब चढ़ा पुलिस के हत्थे ठिकाना बदलकर सांप का तमाशा दिखाता था। बता दें कि बिजनौर में सालों से अदालत का भगोड़ा पुलिस को अपनी बीन पर नचाता रहा। पुलिस उसकी तलाश में जुटी रही। आरोपी सांप दिखाकर और बीन बजाकर जगह-जगह घूमकर अपना जीवन जीता रहा लगातार प्रयास के बाद भी पुलिस नही हो पा रही थी सफल। जानकारी के अनुसार बिजनौर के नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम परमावाला निवासी सुनील कुमार एक जनवरी 1998 में एक मकान में चोरी की थी। पुलिस ने सुनील समेत चार आरोपियों को जेल भेजा था। चारों आरोपी जमानत पर जेल से छूट गए थे। सुनील परिवार के साथ अस्थाई रुप से डेरा डालकर परमावाला में रहता था, वे सपेरा का काम करता था। जमानत के बाद वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ। सात अगस्त 2002 को बिजनौर के एडीजे फाइव के यहां

से सुनील का गैर जमानती वारंट जारी हुआ। पुलिस ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। तब तक वह परिवार समेत परमावाला छोड़ चुका था। पुलिस के पास उसके पैतृक गांव घोसीपुर सपेरा बस्ती थाना पथरी जिला हरिद्वार का पता नहीं था। पुलिस 26 साल तक उसकी तलाश करती रही। इस दौरान 25 से अधिक कप्तान बदल गए और 40 से अधिक थानेदार उनकी खोजबीन पूरी नहीं हुई। सोमवार को नजीबाबाद पुलिस की टीम में शामिल दारोगा कय्यूम और सिपाही रोहित चौधरी ने सुरागरसी के बाद उसे साहनपुर क्षेत्र से दबोच लिया। सुनील को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। दरअसल सुनील सपेरा समाज से था। वह सांप का खेल दिखाकर रोजी रोटी कमाता था। परमावाला में उसका कोई स्थाई ठिकाना नहीं था। जमानत से छूटने के बाद वह वहां से गायब हो गया और उत्तराखंड और हरियाणा में जगह-जगह डेरा लगाने लगा। वह बीन बजाकर सांप का तमाशा दिखाता लक्सर और हरिद्वार में घूमता। सुनील छह-छह माह के बाद अपना ठिकाना बदलता रहता था। वर्तमान में इसका डेरा लक्सर क्षेत्र में था। इस दौरान उसने हुलिया बदल लिया था दाड़ी बढ़ा ली और मोटा हो गया। एसपी नीरज जादौन ने दस दिन पहले नजीबाबाद थाना पुलिस को भगोड़े सुनील को पकड़ने का टास्क दिया था। सुनील की गिरफ्तारी के लिए दारोगा मोहम्मद कय्यूम और सिपाही रोहित चौधरी को लगाया गया। उसके गांव के बारे में जानकारी निकाल कर उसके पैत्रिक गांव घोसीवाला पहुंचे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

किरन पटेल की एंट्री बॉलीवुड से पॉलिटिक्स में

मुंबई। अडोर्नेट अफेयर के प्रोड्यूसर डायरेक्टर किरन पटेल की की नई पारी की शुरूआत बीजेपी के साथ, जी हाँ आप को बता दें दिव्यांग होने के बावजूद किरन ने कभी हार नहीं मानी। किरन की कहानी पूरी फिल्मी है बहुत छोटे पद से शुरू होकर एक प्रोड्यूसर बनना अपने आप में मायने रखता है। मुंबई हलचल के संवाददाता से बातचीत में उन्होंने बताया था की कैसे एक कास्टिंग डायरेक्टर से उन्होंने एक प्रोडक्शन कंपनी का सफर तय किया, रास्ते में जो भी रुकावट आयी सब को पार किया और आज इस मुकाम पर पहुँचे की राजनितिक गलियारे में दस्तक दे डाली। बीजेपी मुंबई ने उन्हें चीफ हेड ऑफ मुंबई के पद से नवाजा है अब देखना ये है की किरन पटेल इस नई पारी की शुरूआत कैसे करेंगे।

हाउस ऑफ वेदा ने मुंबई में किए ऑर्गेनिक फूड प्रोडक्ट्स लॉन्च

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। प्रीमियम हेल्थ एवं वेलनेस ब्रैंड - हाउस ऑफ वेदा ने अपने कारोबार में विस्तार करते हुए अपनी ऑर्गेनिक फूड प्रोडक्ट रेंज को मुंबई में लॉन्च करने की घोषणा की है। इस लॉन्च से मुंबई शहर में लगातार बढ़ती हेल्थ एंड वेलनेस मार्केट में अपनी प्रासंगिकता बढाने के लिए कंपनी निरंतर जुटी हुई है। हाउस ऑफ वेदा, आयुर्वेद से प्रेरित ब्रैंड है जो प्राचीन ज्ञान और परंपरा के अनुरूप तैयार ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज प्रस्तुत करता है। इनमें सर्टिफाइड ऑर्गेनिक हर्बल टी और इन्फ्यूशंस, दालें और बीन्स, कोल्ड-प्रैस्ड ऑयल, ऑर्गेनिक और स्प्राउटेड फ्लोर्स और अन्य बहुत कुछ शामिल

हैं। हाउस ऑफ वेदा इस से पहले पंजाब और दिल्ली में अपनी पहचान बना चुका है और अब मुंबई मार्केट में ब्रांड ने काफी ऑपर्च्युनिटी के कारण अपने हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स को यहां के सेहत को लेकर सजग ग्राहकों के लिए उपलब्ध करवाने का फैसला लिया है। ग्राहकों के बदलती प्राथमिकताओं और हाई क्वालिटी वेलनेस सॉल्यूशंस की बढ़ती मांग को मद्देनजर रखते हुए, हाउस ऑफ वेदा ने स्थानीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने का जिम्मा उठाया है। दविंदर पाल जी, बिजनेस हेड, हाउस ऑफ वेदा ने कहा, हम बेहद उत्साहित हैं की हाउस ऑफ वेदा, मुंबई जैसे एक गतिशील शहर में आ रहा है जो की अपनी समृद्ध संस्कृति और तेजी से बढ़ते हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर के लिए जाना जाता है। हमारे रिटेल लॉन्च के माध्यम से मुंबई वासियों को अब हम उनकी हेल्थ एंड वेल बीइंग को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम प्रोडक्ट्स उपलब्ध करा पाएंगे। हमें यकीन है की मुंबईवासी हमारे ब्रांड और हमारे हेल्दी लाइफस्टाइल के मिशन को कामयाब बनायेंगे। हाउस ऑफ वेदा देशभर में रिटेल एवं ई कॉमर्स चैनलों के माध्यम से लगातार अपनी उपस्थिति बनाए हुए हैं। यह कंपनी अपनी एकनिष्ठा, पारदर्शिता और ग्राहक संतुष्टि के सिद्धांतों पर कायम है। प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नवाचार का मेल करते हुए, हाउस एफ वेदा लोगों को अपने माइंडफुल लिविंग और ऑर्गेनिक ईटिंग के सफर पर साथ लेकर चल रहा है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'महाराष्ट्र में नहीं बिकेगा पान मसाला'

गुरुवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने साफ कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राज्य को विशेषाधिकार मिला है। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस फिरदोश पूनीवाला की खंडपीठ ने इस बात पर गौर किया कि प्रत्येक राज्य को अपने नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता देने की जिम्मेदारी होती है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि पान मसाला को खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 के तहत खाद्य पदार्थ माना गया है, इसमें तंबाकू या निकोटीन नहीं होता है। इसके अलावा याचिका में यह भी तर्क दिया कि एफडीए साल 2012 से बार-बार रोक लगाने का आदेश जारी कर रहा है, जो कि असंवैधानिक और मनमाना है। वर्तमान में सुपारी के हानिकारक प्रभावों को साबित करने के लिए उतने वैज्ञानिक अध्ययन भी नहीं हुए है। ऐसे में एफडीए का एक साल से अधिक समय तक प्रतिबंध लगाना गलत है। रजनीगंधा के पास महाराष्ट्र में अपना व्यवसाय करने का लाइसेंस नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र सरकार राज्य में पान मसाला बनाने के लिए लाइसेंस जारी नहीं करता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आगे की कार्यवाही 1 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी।

'महायुति' में 6 सीटों पर फंसा पेंच

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बीजेपी 25 सीटों पर, शिवसेना 11 सीटों पर और एनसीपी 7 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मालूम हो कि जिन छह सीटों पर चर्चा हो रही है उनमें से कुछ राज ठाकरे की मनसे को दी जा सकती है। हालांकि महायुति में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना यानि मनसे के शामिल होने की अभी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और मंथन जारी है। बताया जा रहा है कि महायुति की तीनों पार्टियों में इस बात पर भी सहमति बन गई है कि किन लोकसभा सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा। अब सिर्फ छह सीटों पर बातचीत हो रही है। खबर है कि जिन छह सीटों पर चर्चा हो रही है उनमें से कुछ मनसे को दी जाएंगी। बताया जा रहा है मनसे की ताकत मिलने के बाद लोकसभा चुनाव में महायुति को बढ़त मिलने की उम्मीद है। साथ ही महायुति के साथ जाने से मनसे का भी दमखम बढ़ेगा ी शामिल है। अमरावती की सीट नवनीत राणा के लिए छोड़ी जाएगी।

1 करोड़ के टर्म इंश्योरेंस के लिए महिला ने की पति की हत्या

पत्नी की नजर मृतक के 1 करोड़ रुपये के टर्म इंश्योरेंस पर थी। तीनों उस पैसे को आपस में बांटने वाले थे। पीड़ित पति का नाम राहुल सुदाम गाडेकर (36) है। इस मामले में राहुल की पत्नी सुप्रिया गाडेकर और उसके प्रेमी सुरेश पाटोले और उसके साथी रोहिदास सोनवणे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुरेश भारतीय सेना में कार्यरत हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक राहुल गाडेकर की पत्नी सुप्रिया पिछले दो साल से संगमनेर तालुका के निमगांव पांगा में एक लैब चला रही है। वहां उसे सेना में कार्यरत सुरेश से प्यार हो गया। इस बात की जानकारी पति राहुल को होने के बाद पति-पत्नी के बीच हमेशा झगड़ा होने लगा। इसके बाद सुप्रिया ने प्रेमी की मदद से अपने पति को रास्ते से हटाने का फैसला किया। हाल ही में सुरेश पाटोले छुट्टी पर घर आया था, तब उसने राहुल को मारने के लिए दो लोहे के हथौड़े खरीदे। वहीं, पुलिस ने बताया कि राहुल गाडेकर ने 1 करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस लिया था। इसकी जानकारी पत्नी सुप्रिया को थी। राहुल की मौत के बाद वह कुछ पैसे सुरेश और उसके साथी को देने वाली थी।

महाराष्ट्र में विपक्ष का सीट बंटवारा अटका

इससे साफ है कि वंचित बहुजन आघाड़ी से सीट शेयरिंग को लेकर एमवीए में मतभेद की स्थिति कायम है। इससे पहले एमवीए में शामिल शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रकाश अंबेडकर महाविकास अघाडी के सदस्य हैं। उन्होंने पहली बैठक में हिस्सा लिया। हमने उन्हें चार सीटों का प्रस्ताव दिया है। आज की बैठक में एनसीपी (शरद पवार) और कांग्रेस के बीच बातचीत होगी।

उत्तर प्रदेश जनपद भदोही के सबसे चर्चित पत्रकार हरिवंश सिंह के जन्मदिन पर मुझे पेड़ दो सेवा समिति एवं सामाजिक संस्था पर्यावरण संरक्षण के संस्थापक श्री गणेश दुबे ने किया वृक्षारोपण गणेश दुबे ने बताया कि पेड़ हमारे जीवन के आधार है हम आज ऐ स्वच्छ हवा ले रहे हैं तो पेड़ की देन है पेड़ से केवल मनुष्य को ही लाभ नहीं होता बल्कि एक वृक्ष आपके घर के सामने है तो धुल आवाज से भी आपको सुरक्षित रखता है पेड़ हम लोगों के लिए केवल पेड़ है लेकिन पक्षियों के लिए पेड़ घर है इस लिए जब-जब खुशियां मनाएंगे तब-तब पेड़ लगाएंगे

अमेरिका की चिंताओं पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर का दो टूक जवाब

सीएए हमारा आंतरिक मसला, हम आपके लेक्चर की परवाह नहीं करते

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर अमेरिका की ओर से चिंता जताए जाने पर भारत ने ऐतराज जताया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यह भारत का आंतरिक मामला है। उसे इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर अमेरिका की ओर से चिंता जताए जाने पर भारत ने ऐतराज जताया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यह भारत का आंतरिक मामला है। इसमें अमेरिका की टिप्पणी अवांछित और गैरजरूरी है।

इसके अलावा उसके पास नागरिकता संशोधन कानून को लेकर गलत जानकारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऐक्ट के नोटिफिकेशन पर अमेरिका की चिंताओं पर हम सख्त ऐतराज जताते हैं। यह हमारा आंतरिक मसला है और अमेरिका को इस पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

1 भारत की बहुलतावादी संस्कृति के बारे में उनके पास सीमित जानकारी

2 भारत का संविधान सभी लोगों को देता है धार्मिकता से रहने की आजादी

3 अमेरिका की प्रतिक्रिया गलत जानकारी पर आधारित, हकीकत से दूर

4 देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए यह जरूरी चीज है, क्योंकि विदेशी घुसपैठ बढ़ रही

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने की थी यह टिप्पणी

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी की थी कि हम सीएए पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि भारत में 11 मार्च को नागरिकता संशोधन कानून का नोटिफिकेशन जारी हुआ है। हम इस बात पर करीबी नजर बनाए हैं कि कैसे इस ऐक्ट को लागू किया जाता है। हम यह देख रहे हैं कि कैसे इसके तहत सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है और उन्हें समानता प्रदान की जाती है। देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए यह जरूरी चीज है। वहीं अब भारत ने कहा कि हम उन लोगों के लेक्चर की कोई परवाह नहीं करते, जिन्हें भारत की बहुलतावादी संस्कृति के बारे में सीमित जानकारी है।

ये नागरिकता देने का कानून है, कोई छीनने का नहीं

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीएए देश का आंतरिक मामला है और इसे भारत की परंपरा और मानव अधिकारों को ध्यान में रखकर ही लागू किया गया है। इस कानून के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौध, पारसी, इसाई समुदाय को सुरक्षित स्थान देने की है। ये नागरिकता देने का कानून है, कोई छीनने का नहीं। इस कदम को वोट बैंक की राजनीति से नहीं देखा जाना चाहिए। बता दें कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) 11 दिसंबर, 2019 को संसद में पारित किया गया था। इसमें मुसलमानों को शामिल नहीं किया गया है और यही विवाद की वजह भी है।

इससे मानवाधिकारों की रक्षा होगी और गरिमा भी बढ़ेगी

विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को दो टूक जवाब देते हुए कई तथ्यों का भी जिक्र किया। मंत्रालय ने कहा कि इस ऐक्ट से अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में धर्म के आधार पर उत्पीड़न झेलने वाले अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, जैन , बौद्ध, ईसाई और पारसी लोगों को शरण दी जाएगी। इससे उन लोगों को नागरिकता मिलेगी, जो दिसंबर 2014 से पहले भारत आए थे। यह कानून नागरिकता देने के लिए आया है, लेकिन के लिए नहीं है। इसका ध्यान रखना चाहिए। यह कानून उन लोगों को एक देश की नागरिकता देता है, जो फिलहाल किसी देश के नहीं हैं। इससे उनके मानवाधिकारों की रक्षा होगी और गरिमा भी बढ़ेगी।

अल्पसंख्यक के साथ उत्पीड़न का कोई आधार ही नहीं

जायसवाल ने कहा कि भारत का संविधान सभी वर्गों को धर्म की आजादी देता है। यहां किसी अल्पसंख्यक के साथ उत्पीड़न का कोई आधार ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के लिए यदि कोई कानून बना है तो उस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस मामले में उन लोगों का लेक्चर ठीक नहीं है, जिन्हें भारत की संस्कृति और विभाजन के बाद या पहले के इतिहास के बारे में जानकारी नहीं है। इस मामले में भारत के साझीदारों और समर्थकों को हमारा साथ देना चाहिए। इस कानून की भावना को समझना चाहिए।

ब्रिटेन में अब कट्टरपंथियों की खैर नहीं यूएपीए जैसा कानून लाया

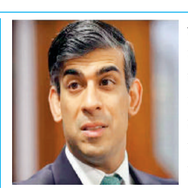

लंदन। ऋषि सुनक की सरकार ने बड़ा ऐलान करते हुए चरमपंथ पर नकेल कसने यूएपीए जैसा कठोर कानून बनाने का इरादा किया है। ब्रिटेन में चरमपंथ को अब हिंसा, घृणा या असहिष्णुता पर आधारित एक विचारधारा के प्रचार या इसे बढ़ावा देने के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका उद्देश्य दूसरों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता को नकारना या ब्रिटेन की उदार संसदीय लोकतंत्र और लोकतांत्रिक अधिकारों की प्रणाली को कमजोर करना, पलटना या प्रतिस्थापित करना हो। ब्रिटेन द्वारा जारी की गई कट्टरपंथ की यह परिभाषा कुछ हद तक भारत के गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए कानून के जैसी ही।

ब्रिटेन की सुनक की सरकार ने अपराध को रोकने किया बड़ा ऐलान

पेनकिलर से लेकर एंटीबायोटिक तक... 1 अप्रैल से महंगी हो जाएंगी 800 दवाइयां

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बढ़ती महंगाई के बीच जनता को एक और झटका लगने वाला है। आने वाले 1 अप्रैल से जरूरी दवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं। इसमें पेनकिलर्स से लेकर एंटीबायोटिक तक शामिल हैं।

■ सरकार भी डब्ल्यूपीआई में बदलाव के अनुरुप बढ़ोतरी की अनुमति देने तैयार है

ऐसे में आम जनता जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रही थी उसकी जेब पर बोझ और बढ़ जाएगा। एसेंशियल यानी जरूरी दवाओं की बात करें तो इसमें पेनकिलर्स, एंटीबायोटिक, दिल की 800 दवाएं शामिल हैं। एक अप्रैल से इन सब दवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं। दरअसल, सरकार दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) में बदलाव के अनुरूप बढ़ोतरी की अनुमति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। जानकारी के मुताबिक, बढ़ती महंगाई को देखते हुए फार्मा इंडस्ट्री दवाओं की कीमत बढ़ाए जाने की मांग कर रही थी।

बढ़ती महंगाई के कारण इंडस्ट्री दवाओं की कीमत बढ़ाने की मांग कर रही

क्यों बढ़ेंगे दाम?

उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में, कुछ प्रमुख सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्रियों की कीमतें 15% से 130% के बीच बढ़ी हैं, जिसमें पेरासिटामोल की कीमत 130% और एक्सीसिएंट्स की कीमत 18-262% बढ़ी है। विलसरीन और प्रोपलीन ग्लाइकोल, सिरप, सहित सॉल्वेंट्स क्रमशः 263% और 83% महंगे हो गए हैं। इंटरमीडिएट्स की कीमतें भी 11% से 175% के बीच बढ़ी हैं। पेनिसिलिन जी 175% महंगा हो गया है।

इन दवाइयों के बढ़ेंगे रेट

आवश्यक दवाओं की लिस्ट में पेरासिटामोल जैसी दवाएं, एजिथोमाइसिन जैसी एंटीबायोटिक्स, एनीमिया-विरोधी दवाएं, विटामिन और खनिज शामिल हैं। मध्यम से गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाएं और स्टेरॉयड भी लिस्ट में हैं। उद्योग कीमतों में पर्याप्त वृद्धि की मांग कर रहा है क्योंकि वह बढ़ती इनपुट लागत से जूझ रहा है।

क्या होती है एशेंशियल दवाएं? *: इस लिस्ट में उन दवाओं को शामिल किया जाता है। जो अधिकतर लोगों के काम में आती हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इन दवाओं की प्राइस सरकार के कंट्रोल में होता है। इन दवाओं को कंपनी एक साल में सिर्फ 10 प्रतिशत ही दाम बढ़ा सकती है। इस लिस्ट में एंटी कैंसर की दवाएं भी शामिल है।*

कितनी बढ़ेंगी कीमतें?

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वार्षिक परिवर्तन के अनुरूप, सरकार .0055% की वृद्धि की अनुमति देने के लिए तैयार। आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के तहत दवाओं की कीमतें पिछले साल और 2022 में कीमतों में रिकॉर्ड 12% और 10% की भारी वार्षिक वृद्धि के बाद, फार्मा उद्योग के लिए यह मामूली वृद्धि होगी। समायोजित कीमतों में आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल 800 से अधिक दवाएं शामिल होंगी।

तीसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े रहस्यमयी: सुब्रमण्यन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने शुक्रवार को कहा कि भारत के ताजा जीडीपी आंकड़े 'पूरी तरह रहस्यमयी' हैं और इन्हें समझ पाना मुश्किल है। हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। ये आंकड़े उम्मीद से बेहतर हैं और पिछले डेढ़ साल में सबसे अधिक हैं।

■ पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, इन्हें समझना मुश्किल

सुब्रमण्यम ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में इस पर कहा, 'मैं आपको ईमानदारी से बताना चाहता हूं कि ताजा जीडीपी आंकड़ों को मैं समझ नहीं पा रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि ये बिल्कुल रहस्यमयी हैं। वे मेल नहीं खाते हैं। मुझे नहीं पता कि उनका क्या मतलब है।'

भारत आकर्षक बना तो एफडीआई क्यों नहीं बढ़ी

पूर्व सीईए ने कहा, 'तो ऐसे कई आंकड़े हैं... जिन्हें मैं समझ नहीं पाता। मैं यह नहीं कह रहा कि ये गलत हैं। इसके बारे में फैसला दूसरों को करना है। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि यदि भारत इतना आकर्षक स्थान बन गया है, तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में तेजी से बढ़ोतरी क्यों नहीं हो रही है। सुब्रमण्यन ने कहा कि निजी निवेश, कॉरपोरेट निवेश वर्ष 2016 के स्तर से काफी नीचे है।

वास्तविक मुद्रास्फीति तीन से पांच फीसदी : राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी जीडीपी अनुमान को संशोधित कर क्रमशः 8.2 प्रतिशत और 8.1 प्रतिशत कर दिया है।

निवेश में तेजी से गिरावट आई

सुब्रमण्यन ने कहा, 'इस बात की बहुत चर्चा है कि पिछली कुछ तिमाहियों और पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था निवेश के लिए एक बहुत अच्छी जगह बन गई है जबकि वास्तव में निवेश में तेजी से गिरावट आई है।' एक सवाल के जवाब में पूर्व सीईए ने कहा कि भारतीयों को इस धारणा से छुटकारा पाने की जरूरत है कि भारत एक बड़ा बाजार है।

विनिर्माण इकाइयां लगाने वाली कंपनियों को मिलेगी शुल्क में रियायतें

सरकार ने दी इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी न्यूनतम 50 करोड़ डॉलर का निवेश तय

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सरकार ने भारत को विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को मंजूरी दे दी जिसमें न्यूनतम 50 करोड़ डॉलर (4,150 करोड़ रुपये) के निवेश के साथ देश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को शुल्क में रियायतें दी जाएंगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि ईवी नीति के जरिये भारत को ईवी के विनिर्माण गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने और टेस्ला समेत विभिन्न वैश्विक ईवी विनिर्माताओं से निवेश आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

टेस्ला समेत वैश्विक इकाइयों को आकर्षित करने का प्रयास

कम सीमा शुल्क पर कारों को आयात करने की अनुमति मिलेगी

रियायत के लिए कंपनियों को न्यूनतम 4150 करोड़ रुपए निवेश करना होगा

निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी

इस नीति के तहत ई-वाहनों की विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को कम सीमा शुल्क पर सीमित संख्या में कारों को आयात करने की अनुमति दी जाएगी। इस रियायत के लिए कंपनी को न्यूनतम 50 करोड़ डॉलर (4,150 करोड़ रुपये) का निवेश करना जरूरी होगा जबकि निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी।

नवीनतम तकनीक तक पहुंच बनेगी

मंत्रालय ने कहा, इस नीति से भारतीय उपभोक्ताओं को नवीनतम तकनीक तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी। यह 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देगी और ईवी कंपनियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर ईवी परिवेश को मजबूत करेगी।

पीएलआई योजना के तहत मिलेगा प्रोत्साहन

बयान के अनुसार, 'आयात के लिए स्वीकृत ईवी की कुल संख्या पर शुल्क में दी गई रियायत उस कंपनी की निवेश राशि या पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन राशि 6,484 करोड़ रुपये में से जो भी कम हो, तक सीमित होगा।'

वाणिज्यिक उत्पादन के लिए तीन साल का समय मिलेगा

बयान में कहा गया कि यह नीति प्रतिष्ठित वैश्विक ईवी निर्माताओं द्वारा ई-वाहन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए तैयार की गई है। नीति के अनुसार, एक कंपनी को 'भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने और ई-वाहनों का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के लिए तीन साल का समय मिलेगा, और अधिकतम पांच साल के भीतर 50 प्रतिशत घरेलू मूल्य संवर्धन हासिल करना होगा।'

मानदंड हासिल करने बैंक गारंटी लागू की जाएगी

योजना दिशानिर्देशों के तहत परिभाषित डीवीए (घरेलू मूल्यवर्धन) और न्यूनतम निवेश मानदंड हासिल न करने की स्थिति में बैंक गारंटी लागू की जाएगी। कंपनी की तरफ से जताई गई निवेश प्रतिबद्धता को छोड़े गए सीमा शुल्क के बदले में बैंक गारंटी से समर्थित होना होगा।

अधिकतम 40 हजार ईवी आयात की अनुमति मिलेगी

इसके मुताबिक, यदि निवेश 80 करोड़ डालर या उससे अधिक है, तो प्रति वर्ष अधिकतम 8,000 की दर से अधिकतम 40,000 ईवी के आयात की अनुमति होगी। वार्षिक आयात सीमा से बची रह गई इकाइयों को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

वायु प्रदूषण कम होगा

इससे उत्पादन की उच्च मात्रा, अर्थव्यवस्था के विस्तार, उत्पादन की कम लागत और आयात में कटौती, कच्चे तेल की आयात कम होगी, व्यापार घाटा कम होगा, विशेषकर शहरों में वायु प्रदूषण कम होगा और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

मुल्क में अमन चैन और खुशहाली की दुआओं के साथ शांति पूर्ण अदा की पहले जूमे की नमाज

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज पिरान कलियर हरिद्वार। पवित्र माहे रमजान के पहले जुमे पर शुक्रवार को यहां मस्जिदों में रोजेदार नमाज के लिए उमड़ पड़े। मगफीरत के इस पाक महीनें में रोजेदारों ने अल्लाह से गुनाहों की तौबा करते हुए बख़्शीश की दुआ की। इस दौरान खुतबों में इमाम ने मुल्क में अमन-चैन का पैगाम देते हुए रमजान में गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए संदेश दिया। रमजान का पहला जुमा सीएए लागू होने के बाद पड़ा इसलिए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। सुबह से ही संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की रोड गश्त तेज रही। हालांकि देर शाम तक कहीं से भी किसी तरह विरोध आदि की सूचना नहीं थी। शुक्रवार जामा मस्जिद पिरान कलियर की साबरी

जामा मस्जिद में ग्यारह बजे से ही रोजेदार जुटना शुरू हो गए। रमजान का पहला जुमा होने के चलते खासी भीड़ रही। यहां रोजेदारों ने जुमे की नमाज से पहले माहे रमजान के अन्य अरकान अदा किए उसके बाद जुमे की नमाज पढ़ी। यहां ईमाम सहाब ने जुमे की नमाज अदा कराई। उन्होंने रोजेदारों को माहे रमजान को लेकर कहा कि नमाज और कुरान की तिलावत से कतई गाफिल न हो। इसके अलावा नई बस्ती स्थित जामा मस्जिद उमर में भी बड़ी संख्या में रोजेदार जुमे की नमाज में उमड़े। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने पहले जुमे की नमाज अदा करते हुए बारगाहे इलाही में दुआएं की। वहीं सीएए के मद्देनजर सभी क्षेत्रों में कड़ी चौकसी रही।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के सफल सम्पादन एवं मीडिया अभिमुखीकरण, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न निर्वाचन में मीडिया के दायित्व एवं जिम्मेदारियां के संबंध कार्य शाला का अयोजन

देहरादून। लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 के सफल सम्पादन एवं मीडिया अभिमुखीकरण, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न निर्वाचन में मीडिया के दायित्व एवं जिम्मेदारियां के संबंध में आज सहायक निदेशक/ जिला सूचना अधिकारी देहरादून/नोडल अधिकारी मीडिया बी.सी नेगी की अध्यक्षता में जिला सूचना अधिकारी कार्यालय परिसर में कार्यशाला/ बैठक आहुत की गई है। कार्यशाला में सहायक निदेशक/ जिला सूचना अधिकारी ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में मीडिया की भूमिका एंव दायित्वों के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी मीडिया/ सहायक निदेशक सूचना ने निर्वाचन आयोग द्वारा पेड न्यूज एवं भ्रामक न्यूज के सम्बन्ध में दी गई श्रेणियों को अक्षरशः पढते हुए मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। तथा निर्वाचन समाचार की विषयवस्तु विशेष ध्यान रखते हुए तथ्यात्मक खबर प्रसारित करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती हैं, क्योंकि मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित होता है

वह नागरिकों तक पंहुचता है, मीडिया की खबरों से विभिन्न घटना, गतिविधि, राजनैतिक, शासन, प्रशासन के क्रियाक्लाप जनमानस को जानकारी मिलती है, इसलिए किसी खबर का तथ्यात्मक होना जरूरी है। मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षा करते हुए कहा कि खबरों को प्रकाशित/प्रसारित करने से पूर्व तथ्यों को अवश्य देख लिया जाए तथा विभिन्न विषयवस्तु जो विज्ञापन के रूप में प्रकाशन/प्रसारण हेतु दी जा रही है उसकी विषयवस्तु एम.सी.एम.सी से प्रमाणित हो यह देख लिया जाए। इस अवसर पर पत्रकार गोपाल सिंघल, आलोक शर्मा, ब्रह्मदत्त शर्मा, हरीश जोशी,नरेश मिनोचा, संदीप गोयल, अवनीश गुप्ता, संदीप शर्मा, भुवन उपाध्याय, गौरव रतन, शाहबाज हुसैन, गिरिश भण्डारी, जगमोहन मौर्य, छायाकार अनिल डोगरा, नीरज काला, ललित ओझा, सतीश कोठारी, मोनू राजपूत, यशराज आनन्द, तिलक शर्मा, शिव नारायण, मिन्टू सिंह, धनराज गर्ग, दीपक सिंह गुसाई आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

शैक्षिक संस्थानों के विकास में सरकार अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है: सुबोध उनियाल

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

देहरादून। राजकीय पॉलीटेक्निक रानीपोखरी में छात्रावास एंव वाउड्रीवाल के भूमि पूजन एवं शिलान्यास का कार्यक्रम विधि-विधान के साथ कैबिनेट मंत्री तकनीकी शिक्षा, वन, भाषा एव निर्वाचन सुबोध उनियाल द्वारा किया गया। जिसकी निर्माण लागत 710.49 लाख रुपए है तथा इसका निर्माण एक वर्ष में पूर्ण होगा। कैबिनेट मंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त नाबार्ड योजना के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक रानीपोखरी में छात्रावास का निर्माण होगा जिससे एक ओर तो संस्था में ए0आई0सी0टी0ई0 के मानक की प्राप्ति होगी साथ ही अवस्थापना सुविधा प्राप्त होने पर दूरस्थ ग्रामीण आँचल से पढ़ने आये छात्रों के सवार्गीण विकास होगा। शैक्षिक संस्थानों के विकास में सरकार अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है।माननीय मंत्री जी द्वारा हमारा उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नवीन तकनीकीयों के माध्यम से राज्य के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें इतना हुनरमंद बनाना है कि युवा शक्ति को रोजगार के पीछे न भागना पड़े, अपितु रोजगार स्वयं उनके द्वार पर आये। राजकीय पालीटेक्निक रानीपोखरी में पुरानी

कोर ब्रान्च सिविल, मैकेनिकल एवं इलैक्ट्रिकल इंजी0 के अतिरिक्त एक नई इमरजिंग ब्रान्च मैकेट्रोनिक्स इंजी0 प्रारम्भ की गयी है साथ ही छात्रों के व्यक्तित्व विकास हेतु संस्थाओं में लैग्वेज लैब की स्थापना की गई है। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी शिक्षा आर0पी0गुप्ता जी द्वारा अवगत कराया गया कि संस्था में अवस्थापना सुविधाओं हेतु अब तक सरकार द्वारा इस संस्थान को कुल 25 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है।

राजकीय महाविद्यालय मालदेवता, रायपुर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सातवें दिवस में छात्रों ने किया क्षेत्र भ्रमण

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

देहरादून। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता, रायपुर देहरादून में शुक्रवार को उद्यमिता विकास कार्यक्रम के सातवें दिन छात्रों के लिए क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के तहत छात्रों को क्षेत्र भ्रमण हेतु भावना लक्जरी धूप और अगरबत्ती निर्माण इकाई, देवभूमि टेंपल फ्लावर रिप्रोसेसिंग प्रोजेक्ट, बंजारावाला, देहरादून ले जाया गया। यह इकाई अपशिष्ट फूलों से ऑर्गेनिक धूप एवं अगरबत्ती का निर्माण करती है। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो।पूजा कुकरेती ने बताया कि महाविद्यालय में पिछले छह दिनों से देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उद्यमिता विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इन दिनों में छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा के दौरान कई छात्रों के स्टार्टअप आइडिया अपशिष्ट फूलों से संबंधित थे।इसलिए छात्रों को अपशिष्ट फूलों से होने वाले उत्पाद निर्माण में काफी रूचि थी। प्रो०कुकरेती ने बताया कि छात्रों के बीच इस निर्माण इकाई को देखने-समझने को लेकर काफी उत्साह रहा। छात्रों के सवालों का भावना लक्जरी धूप एवं अगरबत्ती के विनोद ने काफी धैर्य से जवाब दिया।उन्होंने फूलों से धूप एवं अगरबत्ती बनाने के तरीकों की जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम देहरादून से उन्हें मंदिरों में चढ़े हुए अपशिष्ट फूल प्राप्त होते हैं। इसके पश्चात वे इन फूलों को छांटकर सुखाते हैं। एवं फिर उन्हें पीस कर पाउडर बना लेते हैं। इसके पश्चात उसमें अलग अलग प्रकार के सगंध तैल मिलाकर धूप एवं अगरबत्ती का निर्माण किया जाता है।उन्होंने बताया कि होली के अवसर पर वे ऑर्गेनिक रंगों का निर्माण भी कर रहे हैं।

एक आकर्षक जिला बनाएंगे, संदीप शेळके वन बुलडाणा मिशन की परिवर्तन रथयात्रा को उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। अफसोस की बात है कि आज बुलडाणा जिला पिछड़े जिले के रूप में जाना जाता है। लेकिन आने वाले समय में बुलडाणा जिले में रोजगार सृजन, पर्यटन स्थलों का विकास, किसानों के लिए पंडानारस्ते, जिले में रेलवे, शेगांव हवाई अड्डा हमारे एजेंडे में रहेंगे। वन बुलडाणा मिशन के अध्यक्ष संदीप शेळके ने जोर देकर कहा कि अगर लोगों ने उन्हें लोकसभा में भेजा, तो वह बुलढाणा जिले को न केवल राज्य बल्कि देश के लिए भी ईर्ष्या का विषय बना देंगे। बुलडाणा मिशन की परिवर्तन रथ यात्रा आज 15 मार्च को मेहकर तालुका के कल्याण पहुंची, इस अवसर पर आयोजित नुक्कड़ सभा में वह बोल रहे थे। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई जिले के पिछड़ेपन का कलंक मिटाने की है। आज भी यहां के एक युवा को 15,000 से 20,000 की नौकरी के लिए मुंबई, पुणे जैसी जगहों पर जाना पड़ता है। अगर हर तालुका में एमआईडीसी की स्थापना होती तो यहां के युवाओं को काफी रोजगार मिलता। इसलिए हम रोजगार के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे। हम किसानों के हित के लिए कई योजनाएं शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। हमने देखा है कि बुलढाणा जिले के किसान हमेशा परेशान रहते हैं। लेकिन यदि सरकार इस स्थान पर संतरा प्रसंस्करण उद्योग, केला प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करती तो जिले के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण क्रांति होती। सिंचाई एक बड़ा मुद्दा है, जिले में 76 साल से सिंचाई परियोजनाएं लंबित हैं। इन सभी कारणों से जिले के किसान हमेशा परेशान रहते हैं। लेकिन अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वन बुलढाणा मिशन एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में समग्र विकास के माध्यम से जिले में एक नई क्रांति लाने के लिए आगे आया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फटे होंठों की परेशानी को मिनटों में दूर करेंगे ये 10 घरेलू टिप्स

होंठों का फटना या सूखना एक आम समस्या है जो प्रदूषण या मौसम में बदलाव के कारण हो जाती है। इसके कारण होंठों को रेडनेस, पपड़ी जमना, खून आना और दर्द होना जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग फटे होंठों की समस्या को दूर करने के लिए मंहगे लिप बाम या क्रीम ट्राई करते हैं लेकिन इसकी बजाए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी इससे छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू तरीके बताएंगे, जिससे आपकी फटे और सूखे होंठों की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

1. चीनी

ग्लाइकोलिक और अल्फा-हाइड्रोक्सी एसिड से भरपूर चीनी होंठों पर नमी बनाई रखती है। ब्राउन या व्हाइट शुगर से होंठों पर स्क्रब करने से आपकी फटे और सूखे होंठ की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

2. बादाम का तेल

बादाम का तेल डेड स्किन को निकाल कर होंठों पर नमी बनाए रखता है। इसलिए होंठों को नैचुरल तरीके से मॉइस्चराइज करने के लिए बादाम का तेल जरूर लगाएं।

3. खीरा

खीरा स्किन के साथ-साथ आपके होंठों के लिए भी फायदेमंद होता है। अगर आप अपने होंठों को मुलायम बनाए रखना चाहते है तो 10-15 मिनट खीरा स्लाइस को अपने होठों पर रगड़ें। यह आपके होंठों को नैचुरल तरीके से हाइड्रेट करता है।

4. जैतून का तेल

जैतून का तेल होंठों पर लगाने से रुखापन खत्म हो जाएगा और आपके होंठ मुलायम हो जाते है।

5. नारियल का तेल

एंटीबैक्टीरियल गुण होने के कारण नारियल का तेल सूखे-फटे होंठों की समस्या को दूर करता है। दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल होंठों को नैचुरल तरीके से मॉइस्चराइज करता है, जिससे आपके होंठ मुलायम हो जाते है।

6. गुलाबजल

गुलाबजल को कॉटन की मदद से होठों पर लगाएं। 15 मिनट तक ऐसे ही रखें फिर पानी से धोंले। नियमित रूप से इसे लगाने पर आपकी होंठों की कमी वापस आ जाएगी।

7. एलोवेरा

फटे और सूखे होंठों से छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा जेल से मसाज करें। आप फटे होंठों की समस्या दूर करने के लिए एलोवेरा लिप बाम भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

8. मक्खन

मक्खन भी होंठों के लिए एक अच्छे मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है। रात को सोने से पहले मक्खन को होंठों पर लगा लें। आप चाहें तो ड्राई लिप्स की प्रॉब्लम को दूर करने के लिए घी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

9. ग्रीन टी

ग्रीन टी बैग लेकर उसे कुछ मिनट के लिए अपने होंठों पर रखें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने पर आपके कुछ दिनों में ही फर्क नजर आने लगेगा।

10 नींबू और शहद

नींबू और शहद में ब्लीचिंग एजेंट के गुण होते है, जोकि होंठों को मुलायम बनाते हैं। इस प्रॉब्लम दूर करने के लिए 1 टेबलस्पून नींबू का रस और शहद मिक्स करके होंठों की मसाज करें। इसके कुछ देर लगाने के बाद होंठों को साफ कर लें।

सावधान! ठंडा पानी पीने से हो सकते हैं ये बड़े नुकसान

सावधान!
ठंडा पानी पीने से हो सकते हैं ये बड़े नुकसान
चिल्लाती गर्मी से राहत पाने के लिए अक्सर लोग ठंडा पानी पीते हैं। बाहर से आते ही लोग फ्रिज में रखा ठंडा पानी तुंरत पी लेते हैं जोकि सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आयुर्वेद में इस

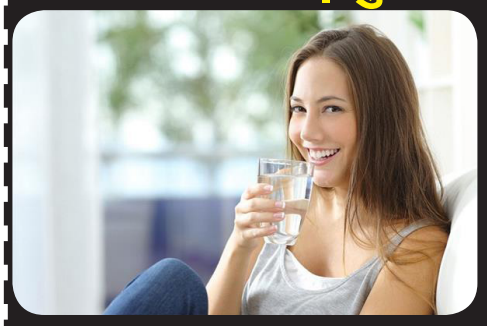

आदत को अनहैल्दी माना जाता है। इससे शारीरिक संबंधित कई परेशानियों झेलनी पड़ सकती है। अगर आप भी अधिक मात्रा में ठंडा पानी पीते हैं तो आज ही इस आदत को बदल लें। आज हम आपको बताते है कि क्यों अधिक मात्रा में ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

ज्यादा ठंडा पानी पीने के नुकसान

- शरीर में पोषक तत्वों की कमी

शरीर का सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है। दरअसल, ठंडा पानी पीने से बॉडी को तापमान नियंत्रित करने के लिए ज्यादा एनर्जी खर्च करनी पड़ती है, जिससे शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

- गला खराब

अधिक मात्रा में ठंडे पानी का सेवन करने से गला खराब व गले की खराश जैसी समस्या हो सकती है। इसके अलावा भी कई इंफेक्शन का खतरा होता है।

- पाचन संबंधित समस्याएं

ठंडे पानी का ज्यादा सेवन करने से पाचन संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे पेट तक पर्याप्त मात्रा में खून नहीं पहुंच पाता। इससे अलावा खाना पचाने में अधिक एनर्जी लगती है।

महिलाओं में थायरॉइड के लक्षण पहचान कर करवाएं तुरंत इलाज

लोगों में थायरॉइड की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है लेकिन यह पुरूषों की तुलना में महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है। थायरॉइड ग्रंथि गले में होती है जो थाइराक्सिन नामक हार्मोन बनाती है। थायरॉइड होने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है। समान्य और स्वस्थ दिखने वाले लोगों में भी इस बीमारी को देखा जा रहा है। महिलाओं में इसके लक्षणों को देख कर इस बीमारी को पहचाना जा सकता हैं। अगर इस बीमारी का समय पर पता लग जाए तो इसका इलाज कराना संभव है।

महिलाओं में थायरॉइड के लक्षण

1. वजन बढ़ना

थायरॉइड की समस्या होने पर मोटापा बढ़ने लगता है। हम जो भी खाते हैं वो सही तरह से नहीं पचता। जिसके कारण शरीर को पूरी एनर्जी नहीं मिल पाती और यह शरीर में वसा के रूप में जमा रहता है।

2. कमजोरी महसूस होना

शरीर को पूरी तरह एनर्जी न मिलने के कारण आपको कमजोरी महसूस हो सकती है। जरा-सा काम करने पर आपको थकावट होने लगेगी। महिलाओं में कमजोरी और थकान के कारण एनिमिया जैसी बीमारी हो सकती है।

3. पीरियड्स में बदलाव

महिलाओं में पीरियड्स में बदलाव का कारण थायरॉइड हो सकता है। इसके कारण महिलाओं को पीरियड्स घट बढ़ कर आने लगते हैं।

4. डिप्रैशन

थायरॉइड होने पर गले की थायराइड ग्रंथि बहुत कम मात्रा में थायरॉक्सिन पैदा करती है। इससे डिप्रैशन यानि अवसाद वाले हार्मोन एक्टिव होने लगते हैं जिसके कारण महिलाएं डिप्रैशन का शिकार हो जाती है।

5. याददाश्त कमजोर होना

थायराइड के कारण स्मरम शक्ति कमजोर होने लगती है और महिलाओं का स्वभाव चिड़चिड़ा होने लगता है।

सिर में खुजली की समस्या है, तो इन घरेलू नुस्खों से मिलेगी 10 मिनट में राहत

गर्मियों में अक्सर पसीने और प्रदूषण के कारण सिर में खुजली की समस्या हो जाती है। कई बार स्कैल्प पर फंगस, डैंड्रफ या गलत शैंपू के इस्तेमाल से भी ये समस्या हो सकती है। सिर में खुजली होने पर परेशानी भी बहुत होती है और शर्मिन्दगी भी। बार-बार सिर खुजाने से स्कैल्प पर जलन भी होने लगती है और कई बार तो खून भी निकलने लगता है। कई बार जलन और खुजाने से इसमें लाली और चकत्ते भी पड़ने लगते है। लेकिन सिर की इस खुजली को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि कुछ घरेलू उपचार की मदद से आप खुजली की समस्या से आसानी से निजात पा सकते हैं। यह घरेलू उपाय आपके सिर की खुजली को दूर भगाने के साथ बालों की देखभाल में भी मददगार साबित होगा।

गेंदे के फूल का प्रयोग

समस्या से बचने के लिए महंगे उत्पादों को इस्तेमाल करने की बजाय आप गेंदे के फूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। गेंदे के फूल हानिकारक मुक्त कणों के खिलाफ रक्षा में मददगार फ्लकोनोइड्स की उच्च मात्रा होती है। इसके अलावा गेंदा का फूल एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों के लिए जाना जाता है। यहां सिर में खुजली दूर करने के लिए इसके इस्तेमाल का तरीका बताया गया है।

गेंदा का अर्क तैयार करने के लिए आपको 4 गेंदा के फूल, 500 मिलीलीटर पानी और आधे नींबू की जरूरत होती है। अब अर्क को बनाने के लिए पानी में गेंदे के फूल को मिलाकर कुछ देर के लिए उबालें। फिर इस पानी में नींबू के रस को मिला लें। अर्क तैयार होने के बाद, शैम्पू से पहले इससे अपने स्कैल्प पर अच्छे से मसाज करें। इसके बाद स्कैल्प को रूसी से दूर करने के लिए आप अपने बालों को सेब साइडर सिरके से भी धो सकते हैं। बाद में किसी हल्के शैंपू से बालों को धो कर प्राकृतिक रूप से सूखने दें। बालों में हेयर ड्रायर के इस्तेमाल से बचें क्योंकि यह खुजली को बढ़ा सकता है। सर्वोत्तम परिणाम पाने के लिए इस अर्क का उपयोग नियमित आधार पर करें। इस उपाय से स्कैल्प सोरायसिस के लक्षणों से छुटकारा पाने में मदद मिलती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आरव किसी को नहीं बताना चाहता कि वह मेरा बेटा है: अक्षय

बॉलिवुड स्टार अक्षय कुमार ने बताया कि उनका बेटा आरव अपनी जिंदगी को मीडिया की चमक-धमक से दूर रखना चाहता है। आरव करीब 21 साल के हैं और अक्षय व ट्विंकल की 10 साल की बेटी नितारा भी हैं। अक्षय ने कहा- मेरा बेटा काफी अलग है, किसी को नहीं बताना चाहता कि वह मेरा बेटा है। अक्षय ने अपने बेटे आरव को लेकर होस्ट बेयर ग्रिल्स बातें करते हुए कहा, वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करता है। वह अपनी अलग पहचान बनाना चाहता है। यही पूरी बात है और मैं इसे समझता भी हूं। मैंने उसे फ्री छोड़ रखा है, वह जैसा करना चाहता है वह करे। अक्षय ने कहा, मेरे पिता मेरी लाइफ में इकलौते प्रेरणा रहे और मैंने उनके सभी रूल्स फॉलो किए हैं जो भी उन्होंने सिखाया। मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा भी इससे सीखे।

तैमूर अली खान को खुद बनाना होगा अपना रास्ताः करीना

बॉलिवुड में पिछले काफी समय से नेपोटिजम पर बहस चल रही है। अब इस मुद्दे पर करीना कपूर का रिऐक्शन आया है। उन्होंने कहा है कि तैमूर को अपना रास्ता खुद बनाना होगा। ऐसा नहीं है कि वह करीना और सैफ का बेटा है तो बॉलिवुड का सुपरस्टार बन जाएगा। करण जौहर के चैट शो पर कंगना रनौत ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिजम का बढ़ावा देने वाला बताया था। इसके बाद से ही बॉलिवुड में नेपोटिजम की बहस शुरू हो गई। हाल में सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद इस बहस ने और जोर पकड़ लिया और लोग सोशल मीडिया पर नेपोटिजम के लिए सिलेब्रिटीज को ट्रोल करने लगे। अब हाल में करीना कपूर खान ने भी नेपोटिजम के ऊपर बात की है। जर्नलिस्ट और फिल्म क्रिटिक अनुपमा चोपड़ा को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि उन्हें लगता है कि हर आदमी को वह सब मिलता है जिसके वह लायक होता है और उसकी किस्मत में लिखा होता है। अपने बेटे तैमूर के बारे में उन्होंने कहा, ये नहीं है कि तैमूर इस देश का सबसे बड़ा स्टार बनने वाला है। वह शायद देश का ऐसा बच्चा है जिसकी सबसे ज्यादा तस्वीरें ली गई हैं, चाहे इसका जो भी कारण हो, मुझे नहीं पता। मैं भी अपने बच्चे के लिए चाहती हूं कि वह आत्म निर्भर बने। उसे अपनी जिंदगी में जो भी करना है करे। हो सकता है कि वह शेफ बनना चाहे या पायलट या फिर जो भी करने की उसकी इच्छा हो। तैमूर के बारे में आगे बात करते हुए करीना ने कहा, मैं चाहती हूं कि तैमूर अपनी जिंदगी में खुश रहे। यह जरूरी नहीं है कि उसके पैरंट्स सफल हैं तो वह भी हो जाएगा। उसका सफर तब शुरू होगा जब इसे शूरू करना चाहेगा। उसे अपना रास्ता खुद ढूंढना होगा। उसके पैरंट्स इसमें किसी भी तरह उसकी मदद नहीं करने वाले।

कार्तिक आर्यन को अपने पहले विज्ञापन के लिए मिली थी इतनी रकम

कार्तिक आर्यन को आज बॉलीवुड में किसी पहचान की जरूरत नहीं है। खास तौर पर कार्तिक आर्यन को एक मोनोलॉग बॉय के रूप में जाना जाता है और ये नाम उन्हें उनकी फिल्म 'प्यार का पंचनामा' के बाद मिला है। कार्तिक आर्यन को अपनी पहली एड फिल्म तब मिली थी जब वो कॉलेज में थे जिसके बाद कार्तिक ने अपने करियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वैसे तो कार्तिक मुंबई में पढ़ाई करने और कॉलेज की डिग्री लेने के लिए आए थे, लेकिन यहां रहकर उनका असली मकसद तो हीरो बनने का था। आज भले ही कार्तिक आर्यन करोड़ों में खेलते हों लेकिन एक वक्त था जब वो भी हर मिडिल क्लॉस लड़के की ही तरह अपनी जिंदगी में संघर्ष कर रहे थे। हर माता-पिता की ही तरह कार्तिक के घरवाले भी उन्हें एक इंजीनियर या डॉक्टर बनाना चाहते थे। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जब कार्तिक बी. टेक की पढ़ाई करने के लिए मुंबई आए थे तब वो अपना खर्चा उठाने के लिए एक्टिंग करने लगे। उस वक्त उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वो महंगा पोर्टफोलियो करवा सकें। कार्तिक अक्सर फोन से ली गई तस्वीरों को ही ऑडिशन देने के वक्त इस्तेमाल किया करते थे। जब वो कॉलेज के सेकेंड इयर में थे तब उन्हें एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला। उस एड फिल्म के लिए कार्तिक को 13,000 रुपये का चेक मिला था।